>

Title; Regarding deaths of paramilitary personnel in Chhastisgarh by the Naxalites.

**डा. चरण दास महन्त (कोरबा):** महोदया, मैं आपका ध्यान देश की नक्सली समस्या की ओर आकृष्ट करना चाहता हूं। देश के जो नौ राज्य नक्सली समस्याओं से ग्रस्त हैं उनमें छत्तीसगढ़ सबसे गंभीर स्थिति में है और मैं आपका ध्यान उसकी ओर आकृष्ट करना चाहता हूं। कल ही यहां पर एक पुलिस अधीक्षक सहित 42 जवानों की मौत हुई है। ये नृशंस हत्याएं छत्तीसगढ़ के राजनंदगांव जिले में हुई है और यह माननीय मुख्यमंत्री जी का जिला है। यहां लोकसभा चुनाव के दौरान चुनाव कराने के लिए गये चुनाव दल का भी नरसंहार हुआ। इसके बाद वहां के सरपंच की हत्या हुई। इस तरह एक ही जिले में लगातार हत्याओं का सिलसिला बढ़ता जा रहा है।

---

*Not Recorded.

यहाँ मात्र 18 जिले हैं जिनमें से 9 जिले नक्सल प्रभावित हैं। राज्य सरकार ने इससे निपटने के लिए वहाँ के गरीब आदिवासियों और नाबालिग बच्चों को छोटे-मोटे हथियार देकर सशस्त्र नक्सलियों के सामने रख दिया है। मेरा निवेदन यह है कि हमें राज्य सरकार को इस बात के लिए प्रेरित करना चाहिए या कहना चाहिए। मैं माननीय गृह मंत्री जी से निवेदन करना चाहता हूँ कि जो नक्सली नरसंहार वहाँ हो रहे हैं, जैसे 7 जुलाई को ही मंत्री जी ने जानकारी दी है कि पिछले तीन वर्षों में 706 आदिवासी मारे गए हैं और 443 सुरक्षाकर्मी मारे जा चुके हैं, इसके बावजूद भी कल की घटना लगातार तीन अलग-अलग समय में हुई है और एक ही स्थान पर हुई है। पहले चार सुरक्षाकर्मी मारे गए, उन्को बचाने के लिए एस.पी. जब वहाँ जा रहे थे, तो उनको घेरकर वहाँ बारूदी सुरंग के माध्यम से ब्लास्ट किया गया, उनको घेरकर मारा गया और उसके बाद जब दूसरे रास्ते से उनको बचाने जा रहे थे, तो दूसरे रास्ते से भी नक्सलियों ने उनको घेरकर मारा। मेरा निवेदन यह है कि जब एक ही स्थान पर इस तरह से वारदात हो रही है और वहाँ की राज्य पुलिस को सूचना नहीं है, राज्य पुलिस का सूचना तंत्र पूरे तरीके से नष्ट हो चुका है, केन्द्रीय शासन द्वारा जितनी धनराशि नक्सली समाधान के लिए दी गई है, उसका उपयोग नहीं हो रहा है।

**अध्यक्ष महोदया :** कृपया समाप्त कीजिए।

**डा. चरण दास महन्त :** मेरा निवेदन यह है कि केन्द्र सरकार वहाँ के राज्यपाल से संविधान की धारा 355 के अंतर्गत रिपोर्ट मांगे और सरकार को बर्खास्त करने की कार्रवाई करे, यह मैं आपसे निवेदन करना चाहता हूँ। ...(व्यवधान)

**अध्यक्ष महोदया :** श्री सोहन पोटाई। आप अपने को असोसियेट करिए।

*m02

**श्री सोहन पोटाई (कांकेर):** धन्यवाद अध्यक्ष महोदया। मैं इस संबध में निवेदन करना चाहूँगा क्योंकि यह एक दुखद घटना है। अभी हमारे माननीय सदस्य बोल रहे थे कि छत्तीसगढ़ में नौ जिले प्रभावित हैं। मैं बताना चाहूँगा कि वहाँ दस जिले हैं। जिसमें धमतरी जिला भी पिछले समय प्रभावित हुआ है। 13 जवान वहाँ पर भी शहीद हुए थे। मैं कहना चाहूँगा कि इस समस्या का राजनीतिकरण नहीं करना चाहिए। नक्सलवाद पूरे देश की समस्या है, यह कोई छत्तीसगढ़ की कानून और व्यवस्था की समस्या नहीं है। नक्सली समस्या लोकतंत्र के लिए चुनौती है। इसलिए इस समस्या का राजनीतिकरण करने से और सरकार भंग करने से यह समस्या समाप्त नहीं हो सकती। यदि समस्या का यह समाधान हो सकता है, यदि किसी राज्य सरकार को बर्खास्त करने से पहले तो जम्मू कश्मीर की सरकार को बर्खास्त करना चाहिए, महाराष्ट्र को बर्खास्त करना चाहिए, आंध्र प्रदेश को बर्खास्त करना चाहिए, जहां नक्सली व आतंकवाद की समस्या है। ...(व्यवधान)

**अध्यक्ष महोदया :** आप समाप्त करिये।

**श्री सोहन पोटाई :** मैं कहना चाहूँगा कि इस समस्या के निदान के लिए, जिस प्रकार से पश्चिम बंगाल के लालगढ़ में नक्सलवाद की समस्या के लिए केन्द्र सरकार ने पहल की थी, उसी प्रकार से छत्तीसगढ़ में भी सख्त कार्यवाही करने की आवश्यकता है । ...(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: Nothing will go on record except what Shri Basu Deb Acharia speaks.

*(Interruptions)**